

सैकेंडरी स्कूल परीक्षा

मार्च – 2017

अंक-योजना – हिंदी ('ब') कोड संख्या 4/1, 4/2, 4/3

सामान्य निर्देश : मूल्यांकन करते समय कृपया निम्नलिखित निर्देशों के प्रति सावधानी बरतिए।

विशेष निर्देश :

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार परीक्षार्थी तथ शुल्क देकर उत्तर-पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त कर सकते हैं। परीक्षक यह सुनिश्चित करें कि उन्हें प्रत्येक प्रश्न की अंक योजना के अनुसार ही उत्तर का मूल्यांकन करना है।

1. बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर में यदि विद्यार्थी पूरे विकल्प (वाक्य/वाक्यांश/शब्द) को न लिखकर केवल (क)/(ख) इत्यादि उपयुक्त विकल्प ही लिखें तो उसे भी स्वीकारें।
2. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।
3. परीक्षकों के साथ जब तक प्रथम दिन वैयक्तिक अथवा सामूहिक रूप से अंक-योजना पर भली-भाँति विचार-विनिमय नहीं हो जाता तब तक मूल्यांकन आरंभ न कराया जाए।
4. मूल्यांकन-कार्य अपनी निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक-योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।
5. प्रश्न के उपभागों के उत्तरों पर दाई ओर अंक दिए जाएँ, बाद में उपभागों के इन अंकों का योग बाई ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
6. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर बाई ओर ही अंक दिए जाएँ।
7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर भी लिख दिया है तो जहाँ प्रश्न को पहले हल किया गया है उस पर अंक दें और बाद में किए हुए को काट दें।
8. संक्षिप्त किंतु उपयुक्त विवेचन के साथ प्रस्तुत किया गया बिंदुवार उत्तर विस्तृत विवेचन की अपेक्षा अच्छा माना जाएगा। ऐसे उत्तरों को उचित महत्व देने की अपेक्षा है।
9. एक ही प्रकार की अशुद्धि पर अंक न काटें।
10. शब्द-सीमा से अधिक शब्द होने पर भी अंक न काटे जाएँ।
11. प्रायः यह प्रवृत्ति देखी जाती है कि परीक्षक सहानुभूति में 30 % अंक प्राप्त करने वाले परीक्षार्थी को 33 % अंक देकर उत्तीर्ण कर देते हैं, या कहीं एक अंक केवल इस आधार पर काट लेते हैं कि पूरे अंक नहीं दिए जा सकते। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने - 0 से 90 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात् परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 90 अंक दिए जाने चाहिए।
12. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि कोई उत्तर पूर्णतः गलत मिलता है तो उस उत्तर पर गलत (X) चिह्नित कर शून्य अंक दिए जाएँ।

अंक-योजना मार्च, 2017

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1, 4/2, 4/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
1	1 (क) (ख) (ग) (घ) (ड) (च)	2 (क) (ख) (ग) (ग) (घ) (ड) (च)	1 (क) (ख) (ग) (ग) (घ) (घ) (च)	खंड - 'क'	
				<ul style="list-style-type: none"> एक से अधिक प्रतिभाएँ एक साथ होना कई कामों को एक साथ करने की इच्छा होने पर 	1+1=2
				<ul style="list-style-type: none"> स्पर्धा से घबराहट आलोचना से भय प्रशंसा की चाहत (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित) 	1+1=2
				<ul style="list-style-type: none"> विविध क्षेत्रों में पकड़ (कई क्षेत्रों में) किसी क्षेत्र का विशेषज्ञ न होना / हर क्षेत्र में उनसे बेहतर उम्मीदवार मौजूद होना 	1+1=2
				<ul style="list-style-type: none"> एक साथ कई कामों में हाथ आज़माना अपने क्षेत्र के किसी भी कार्य को पूर्ण न कर पाना 	1+1=2
				<ul style="list-style-type: none"> विषय-विशेषज्ञ / लक्ष्य-केंद्रित व्यक्ति की आवश्यकता विशेषज्ञ अपनी भूमिका निर्वहन में पूर्णतः सक्षम 	1+1=2
				<ul style="list-style-type: none"> प्रतिभा को किसी के सहारे की आवश्यकता नहीं होती। प्रतिभा को न किसी की आलोचना से भय होता है और न प्रशंसा की चाहत होती है। (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य) 	1+1=2

अंक-योजना मार्च, 2017

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1, 4/2, 4/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		

2	2 (क)	1 (ख)	2 (ख)	<ul style="list-style-type: none"> भारत की अधिकांश जनता का गाँवों में वास है। भारत कृषि प्रधान देश है। 	1+1=2
	(ग)	(ग)	(ग)	<ul style="list-style-type: none"> भारत-माता को अपने ही देश में खुद की पहचान और अधिकार खो देना 	1+1=2
	(घ)	(घ)	(घ)	<ul style="list-style-type: none"> अधिकांश भारतीय वस्त्र-भोजन आदि की समस्याओं से ग्रस्त हैं। अशिक्षित, असभ्य, निर्धन, मूढ़, पराधीन और उदास हैं। (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य) 	1+1=2
	3	—	—	<ul style="list-style-type: none"> पराधीन भारत की दयनीय स्थिति का चित्रण ग्रामीण जीवन के ज्वलंत यथार्थ को उभारना 	1+1=2
				खंड-‘ख’	8
3	3	—	—	<ul style="list-style-type: none"> ध्वनियों की स्वतंत्र, सार्थक इकाई शब्द कहलाती है। जैसे - लड़का <p>जब शब्द व्याकरणिक नियमों में बँधकर वाक्य में प्रयुक्त होता है तब वह पद बन जाता है। जैसे - <u>लड़का</u> फल खाता है। — पद</p>	1+1=2 <u>2</u>

अंक-योजना मार्च, 2017

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1, 4/2, 4/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		

4	-	3	-	ध्वनियों की स्वतंत्र, सार्थक इकाई शब्द कहलाती है। जैसे – कमल	1+1=2 <u>2</u>
	-	-	3	जब शब्द व्याकरणिक नियमों में बँधकर वाक्य में प्रयुक्त होता है तब वह पद बन जाता है। जैसे – <u>मोहन</u> पाठशाला गया। – पद	1+1=2 <u>2</u>
	4	-	-	वह बगल के कमरे से कुछ बरतन ले आया और उन्हें तौलिये से साफ़ किया।	1
	(क)	-	-	यदि लिखकर अभ्यास करें तो कुछ भूल नहीं सकते / जब लिखकर अभ्यास करते हैं तब कुछ भूल नहीं सकते।	1
	(ख)	-	-	सीमा पर लड़ने वाले सैनिक जान हथेली पर लिए रहते हैं।	1
	(ग)	-	-		<u>3</u>
	-	4	-	वह रोज़ व्यायाम करने से / के कारण स्वस्थ रहता है।	1
	-	(क)	-	जो व्यक्ति परिश्रमी है / होता है वह कभी खाली नहीं बैठता।	1
	-	(ख)	-	श्याम आज्ञाकारी है और / इसलिए माता-पिता की सेवा करता है।	1
	-	(ग)	-		<u>3</u>

अंक-योजना मार्च, 2017

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1, 4/2, 4/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		

5	—	—	4	जो कर्म करता है उसे फल की इच्छा नहीं करनी चाहिए।	1
			(क)		
			(ख)	विद्वान और सत्यवादी का सर्वत्र सम्मान होता है।	1
	—	—	(ग)	आकाश में बादल छाए और घनघोर वर्षा होने लगी।	1
					<u>3</u>
	5 (क)	— —	—		
			(i)	चंद्र जैसा मुख / चंद्र के समान मुख – कर्मधारय समास	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$
	(ख) (i)	— —	(ii)	पुष्पों की माला – तत्पुरुष समास	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$
			(ii)	पनचक्की – तत्पुरुष समास महापुरुष – कर्मधारय समास	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$
	5 (क)	—	—		<u>4</u>
			(i)	तीसरी है जो कसम – कर्मधारय समास	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$
			(ii)	दिन और रात – द्वंद्व समास	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$
			(ख)		
			(i)	चंद्रमुख – कर्मधारय समास	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$
			(ii)	तिराहा – द्विगु समास	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$
					<u>4</u>

अंक-योजना मार्च, 2017

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1, 4/2, 4/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		

6	6	—	5 (क) (ख) (ग) (घ)	महान है जो जन – कर्मधारय समास जल का प्रदूषण – तत्पुरुष समास	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$
				नीलगगन – कर्मधारय समास आस-पास – द्वंद्व समास	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$
					4
				देश बलिदानियों का सदा आभारी रहेगा।	1
				ये पुस्तकें मुझे नहीं चाहिए।	1
				मैंने तो पहले ही कहा था कि ऐसा मत करो।	1
				क्या आप उसकी बात समझ लेते हैं?	1
					4
				आपने उससे क्या कहा है?	1
				हमारे घर में उसकी बात / बातें होती रहती है / हैं।	1
				इस गलती की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए / यह गलती दुबारा नहीं होनी चाहिए।	1
				बच्चे बहुत शोर कर रहे हैं।	1
					4

अंक-योजना मार्च, 2017

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1, 4/2, 4/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		

	—	—	6		
	—	—	(क)	यहाँ पर कल एक लड़का और लड़की बैठे थे।	1
	—	—	(ख)	मुझे केवल / मात्र अपना अधिकार चाहिए / मुझे अपना अधिकार मात्र चाहिए।	1
	—	—	(ग)	इस विद्यालय का परीक्षा परिणाम अच्छा है।	1
	—	—	(घ)	मास्टर जी ने उसकी बड़ी / बहुत प्रशंसा की।	1
					<u>4</u>
7	7	7	7	अर्थ स्पष्ट करने वाले वाक्यों पर अंक दिए जाएँ।	1+1=2
8	8	9	10	खंड-‘ग’	
	(क)	(क)	(क)	<ul style="list-style-type: none"> अपने बाजू पर रेंगते हुए काले चींटे को वापस उसके घर (कुण्ठ पर) छोड़ने के लिए उठ खड़े हुए। जीवों के प्रति प्रेम व दया की भावना 	2
	(ख)	(ख)	(ख)	<ul style="list-style-type: none"> शुद्ध आदर्श सोने के समान खरे, मूल्यवान और लचीले होते हैं। व्यावहारिकता ताँबे के समान चमकदार और मज़बूत होती है। 	1+1=2
	(ग)	(ग)	(ग)	<ul style="list-style-type: none"> ऐशापसंद, अंग्रेज़ों का मित्र, मौकापरस्त, देशद्रोही (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित) 	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = \underline{1}$ <u>5</u>

अंक-योजना मार्च, 2017

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1, 4/2, 4/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		

9	9	8	9	कारण –	1+1=2
				<ul style="list-style-type: none"> • आर्थिक प्रगति के लिए अमेरिका से प्रतिस्पर्धा • एक महीने का काम एक दिन में करने का दबाव 	
				प्रभाव –	
10	10	10	8	<ul style="list-style-type: none"> • जीवन की रफ़तार अत्यधिक बढ़ना • मानसिक रोग • तनाव भरी ज़िंदगी <p>(किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)</p>	1+1=2
				‘टी सेरेमनी’ की उपयोगिता –	
				<ul style="list-style-type: none"> • तनाव से मुक्ति, दिमाग को शांत करना • समय के प्रति एक नए दृष्टिकोण का विकास 	
(क)	(ख)	(ग)	(क)	• भूतकाल एवं भविष्यकाल	<u>1</u> <u>5</u>
				• दोनों मिथ्या हैं।	
				• वर्तमान काल को	
(ख)	(ग)	(ग)	(ख)	• केवल वर्तमान क्षण सामने होता है।	1+1=2
				• तनाव रहित जीवन जीने के लिए वर्तमान काल में ही जीना	
				चाहिए।	

अंक-योजना मार्च, 2017

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1, 4/2, 4/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		

11	11 (क)	—	—	<ul style="list-style-type: none"> (विद्यार्थी ग्रीष्म ऋतु को तुलना जिससे भी करें, वह स्वीकार्य) परस्पर वैरभाव वाले प्राणी एक साथ रहने के लिए विवरण 	1+1=2
	— (क)	11	—	<ul style="list-style-type: none"> मन का भ्रमित होना ईश्वर निरंतर साधना, लगन और सच्चे मन की भक्ति से प्रसन्न होता है। 	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	<ul style="list-style-type: none"> माला जपना, तिलक लगाना बाह्य आडंबर / दिखावा है। इससे ईश्वर प्राप्त नहीं होता। ईश्वर सच्चे मन, सच्ची श्रद्धा तथा निष्ठा और लगन से प्राप्त होता है। 	2
	(ग)	(ग)	(ग)	<ul style="list-style-type: none"> परस्पर मेलजोल के लिए और भिन्नता की भावना की समाप्ति के लिए परस्पर मेलजोल से सभी कामों के सिद्ध होने की संभावना के कारण संगठन / एकता से ही विकास संभव (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित) 	1+1=2
				<ul style="list-style-type: none"> आत्मविश्वास और पराक्रम बना रहे। हानि होने पर भी दुख सहने की क्षमता बनी रहे। 	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = \underline{1}$
					5

अंक-योजना मार्च, 2017

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1, 4/2, 4/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		

12	12	12	12	<ul style="list-style-type: none"> यह गीत 1962 में हुए भारत और चीन के युद्ध की पृष्ठभूमि पर लिखा गया है। <p>प्रतिपाद्य –</p> <ul style="list-style-type: none"> सैनिकों के बलिदान और पवित्रता की गौरव गाथा, देश को पराजित न होने देने का संकल्प देश की सुरक्षा का दायित्व नई पीढ़ी को सौंपना प्राण त्यागकर भी सीता रूपी धरती के गौरव की रक्षा (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य) 	2
13	13	13	13	(विद्यार्थियों के उपयुक्त उत्तर स्वीकार्य)	<u>5</u>
14	14	17	14	<p style="text-align: center;">खंड - 'घ'</p> <p>अनुच्छेद-लेखन</p> <ul style="list-style-type: none"> विचारों की मौलिकता प्रस्तुति विषयानुकूल भाषा 	<u>5</u>
15	15	15	16	<p>पत्र-लेखन</p> <ul style="list-style-type: none"> प्रारूप विषयवस्तु विषयानुकूल भाषा 	<u>5</u>

अंक-योजना मार्च, 2017

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1, 4/2, 4/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		

16	16	14	15	<p>सूचना-लेखन</p> <ul style="list-style-type: none"> • प्रारूप एवं प्रस्तुति • विचारों की मौलिकता • विषयानुकूल भाषा 	2 2 1 5
17	17	16	17	<p>संवाद-लेखन</p> <ul style="list-style-type: none"> • प्रस्तुति • विचारों की मौलिकता • विषयानुकूल भाषा 	2 2 1 5
18	18	18	18	<p>विज्ञापन-लेखन</p> <ul style="list-style-type: none"> • प्रस्तुति • विचारों की मौलिकता • विषयानुकूल भाषा 	2 2 1 5